# फ्लिपकार्ट ने ई-कॉमर्स को अधिक लोगों के लिए सुलभ बनाने के उद्देश्य से की 3 नई प्रादेशिक भाषाओं में इंटरफेस की पेशकश

- तमिल, तेलुगू और कन्नड़ इंटरफेस में अब उपभोक्ताओं के लिए ई-कॉमर्स अनुभव होगा सुलभ
- फ्लिपकार्ट की इंजीनियर टीम ने तैयार किया भारत के लिए निर्मित समाधान
- यूज़र्स के लिए भाषायी अड़चन दूर करने के लिए 5.4 मिलियन से अधिक शब्दों का किया गया अनुवाद

**बेंगलुरू**, 24 **जून**, 2020- भारत के स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने आज अपने प्लेटफार्म पर तीन नई भाषाओं - तमिल, तेलुगू और कन्नड़ में भी इंटरफेस उपलब्ध कराने की घोषणा की है। फ्लिपकार्ट ने भारतीय भाषाओं के अधिकाधिक प्रयोक्ताओं के लिए ऑनलाइन कॉमर्स सुलभ बनाने के इरादे से यह पहल की है। इसके साथ ही, प्रादेशिक भाषाओं के प्रयोक्ताओं के लिए ई-कॉमर्स आसानी से उपलब्ध होगा। पिछले साल हिंदी इंटरफेस शुरू करने के बाद फ्लिपकार्ट के 'लोकलाइज़ेशन एंड ट्रांसलेशन प्लेटफार्म' पर नई प्रादेशिक भाषाओं में इंटरफेस तैयार किया गया है जो ग्राहको को अपनी स्थानीय भाषाओं में, आसानी से संपूर्ण ई-कॉमर्स की सुविधा प्रदान करेगा।

फ्लिपकार्ट द्वारा 3 प्रादेशिक भाषाओं में इंटरफेस की पेशकश, ग्राहकों को ई-कॉमर्स को अपनाने की राह में पेश आ रही परेशानियों को दूर करने की दिशा में की गई पहल का परिणाम है। उद्योग की रिपोर्ट* के मुताबिक, **2021** तक भारतीय भाषाओं के इंटरनेट यूज़र्स की संख्या भारत के इंटरनेट प्रयोक्ता आधार की 75% होगी।

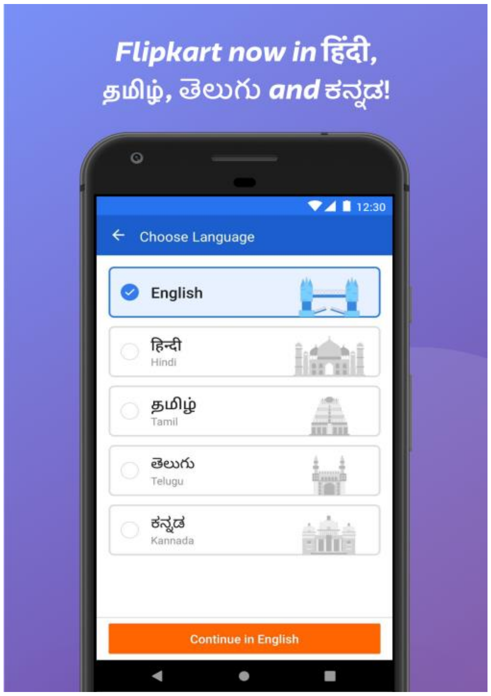


भारतीय भाषाओं के प्रयोक्ताओं की बढ़ती संख्या, खासतौर से छोटे शहरों के ग्राहकों के चलते, प्रादेशिक भाषाओं में ई-कॉमर्स उनके लिए अधिक पर्सनाइज़्ड अनुभव पेश करने की तरह है। इससे देशभर के लाखों उपभोक्ताओं के लिए ऑनलाइन शॉपिंग को अधिक सुखद अनुभव बनाया जा

सकता है। देश के दक्षिणी राज्य फ्लिपकार्ट के बढ़ते प्रयोक्ता आधार का एक बड़ा हिस्सा हैं और अब उनकी मूल भाषा में ही इंटरफेस भी उपलब्ध है, जिसके चलते ई-कॉमर्स को अधिक सर्वसमाहित अनुभव बनाने में मदद मिलेगी।

**प्रयोक्ता शोध**

नई भाषा के इंटरफेस को तैयार करने के लिए अनूदित (translated) तथा लिप्यांतरित (transliteration) शब्दों का प्रयोग किया गया है ताकि ग्राहकों को आसानी से पूरी जानकारी समझ आ सके। साथ ही, कई महीनों तक एक एथनोग्राफिक अध्ययन भी कराया गया था जिससे टीम को एक ऐसा प्लेटफार्म विकसित करने में मदद मिली जो ग्राहकों को उनकी अपनी भाषा में इस प्लेटफार्म के साथ इंटरेक्ट करने में मकदद कर सके और साथ ही उन्हें आत्मनिर्भर तरीके से खरीदारी के फैसले करने में मदद करे।

इस एथनोग्राफी अध्ययन के लिए सेलम, विशाखापत्तम और मैसूर जैसे शहरों में प्रतिभागियों के साथ बैठकें की गई ताकि इन क्षेत्रों में उपभोक्ताओं के विशिष्ट भाषागत व्यवहार को समझा जा सके। इस अध्ययन से प्राप्त महत्वपूर्ण और रोचक जानकारी का इस्तेमाल इस इंटरफेस को तैयार करने के लिए किया गया है। इसके लिए बड़े पैमाने पर अनुवाद कार्य किया गया और विभिन्न उत्पादों, बैनरों तथा भुगतान पन्नों आदि से संबंधित 5.4 मिलियन से अधिक शब्दों का तीन भाषाओं में अनुवाद किया गया।

**कल्याण कृष्णमूर्ति, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, फ्लिपकार्ट ग्रुप** ने कहा, *"पिछले एक साल में, हमने वॉयस, वीडियो तथा वर्नेकुलर में अनेक समाधानों की पेशकश की है ताकि लाखों उपभोक्ताओं के लिए ई-कॉमर्स को अपनाना आसान हो। हमारा वास्तव में, यह मानना है कि भाषा का यदि सही तरीके से इस्तेमाल किया जाए तो यह अड़चन की बजाय उन लाखों उपभोक्ताओं तक पहुंचने का माध्यम बन सकती है जो कम सेवाप्राप्त रहते आए हैं। स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस होने के नाते, हम भारत और इसकी विविधता को बखूबी समझते हैं और ऐसे उत्पादों को तैयार कर रहे हैं जिनमें दीर्घकलिक बदलाव लाने की क्षमता है। हिंदी तथा अंग्रेज़ी के अलावा, तमिल, तेलुगू और कन्नड़ इंटरफेस भारत में ई-कॉमर्स को सर्वसुलभ बनाने की दिशा में बढ़ाया गया कदम है।"*

**जयेंद्रन वेणुगोपाल, प्रमुख उत्पाद एवं प्रौद्योगिकी अधिकारी, फ्लिपकार्ट ने कहा,** *"स्वदेशी ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस के तौर पर, फ्लिपकार्ट हमारे भारत के प्रयोक्ताओं को सशक्त बनाने के लिए प्रादेशिक भाषाओं में इंटरफेस के विस्तार का महत्व समझता है और नए ऑनलाइन प्रयोक्ताओं को ई-कॉमर्स को अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे। वर्तमान में, हमारा करीब 58% प्रयोक्ता आधार टियर 2 शहरों तथा इनसे और छोटे क्षेत्रों से आता है, ऐसे में हिंदी (जिसे पिछले साल पेश किया गया था) के अलावा तमिल, तेलुगू तथा कन्नड़ के इंटरफेस प्रयोक्ताओं के ई-कॉमर्स सफर को अधिक आसान तथा व्यक्तिगत अनुभव बनाने में मददगार साबित होंगे।"*

फ्लिपकार्ट पर तीन नई भाषाओं में इंटरफेस करीब 9 महीने पहले हिंदी इंटरफेस की पेशकश और इसकी भारी सफलता को देखकर लाए गए हैं। फ्लिपकार्ट के इंजीनियरों की टीम ने यूआई तथा प्लेटफार्म आर्किटैक्चर के मोर्चों पर टैक्नोलॉजी की अनेक चुनौतियों को दूर करने पर काम किया क्योंकि हर भाषा की अपनी विशिष्ट खूबियां होती हैं।

**About the Flipkart Group**

The Flipkart Group is one of India’s leading digital commerce entities and includes group companies Flipkart, Myntra, and PhonePe. Started in 2007, Flipkart has enabled millions of consumers, sellers, merchants and small businesses to be a part of India’s e-commerce revolution. With a registered customer base of over 200 million, offering over 150 million products across 80+ categories. Our efforts to democratize e-commerce in India, drive access and affordability, delight customers, create lakhs of jobs in the ecosystem and empower generations of entrepreneurs and MSMEs has driven us to innovate on many industry firsts. Flipkart is known for pioneering services such as Cash on Delivery, No Cost EMI and easy returns – customer-centric innovations that have made online shopping more accessible and affordable for millions of Indians. Together with Myntra, which holds a prominent position in the online fashion market, and PhonePe, India’s fastest growing digital payments platform, the Flipkart Group is steering the transformation of commerce in India through technology.

**For more details contact:** **media@flipkart.com**

*KPMG-Google Indian languages- Defining India’s Internet report